3.	**;w-,l- iVsUV ,fIydsa'ku ua-**	**13@127913**	आवेदित तिथि 05.05.2011
	शीर्षक	अस्थि संबंधी विकृतियों से बचाव एवं उपचार के लिये सब्सटीट्यूटेड बेन्ज़फ्यूरोक्रोमीन्स और संबंधित कम्पाउन्ड्स।	
	अन्वेषक	अतुल गोयल, अमित कुमार, सुमित चौरसिया, दिव्या सिंह, अवनीश कुमार गौतम, रश्मि पाण्डे, ऋतु त्रिवेदी, मनमोहन सिंह, नैबेद्य चट्टोपाध्याय, लक्ष्मी मनिक्कवसगम, गिरीश कुमार जैन तथा अनिल कुमार द्विवेदी।	
	सहायक सदस्य	अब्दुल मलिक एवं अवनीश कुमार।	
4.	**;wjksi;u iVsUV ua-**	**099787590-0**	आवेदित तिथि 05.05.2011
	शीर्षक	अस्थि संबंधी विकृतियों से बचाव एवं उपचार के लिये सब्सटीट्यूटेड बेन्ज़फ्यूरोक्रोमीन्स और संबंधित कम्पाउन्ड्स।	
	अन्वेषक	अतुल गोयल, अमित कुमार, सुमित चौरसिया, दिव्या सिंह, अवनीश कुमार गौतम, रश्मि पाण्डे, ऋतु त्रिवेदी, मनमोहन सिंह, नैबेद्य चट्टोपाध्याय, लक्ष्मी मनिक्कवसगम, गिरीश कुमार जैन तथा अनिल कुमार द्विवेदी।	
	सहायक सदस्य	अब्दुल मलिक एवं अवनीश कुमार।	

Hkkjr esa vkosfnr iVsUVl

1.	**iV.V ,lyhdS'ku ua-**	1843डीईएल2010	आवेदित तिथि 05.08.2011
	शीर्षक	कैंसर रोधी अभिकर्मक के रूप में (नॉवेल कूमैरिन चैलकॉन हाइब्रिड एज़ एण्टी कैंसर एजेन्ट्स)।	
	अन्वेषक	कोनेनी वेंक्ट शशिधरा, अबधेश कुमार, मनोज कुमार, जयन्ता सरकार और सुधीर कुमार सिन्हा।	
	सहायक सदस्य	संजीव मीना	
2.	**iV.V ,lyhdS'ku ua-**	**1695Mhbl,y2010**	आवेदित तिथि 14.07.2011
	शीर्षक	विशेषकर वृहद फाइलेरियानाशी अभिकर्मक के रूप में फाइलेरिया के इलाज में उपयोगी फाइटो–फार्मास्युटिकल निर्मित	
	अन्वेषक	राकेश तुली, अजय कुमार सिंह रावत, सैय्यदा खातून, शरद श्रीवास्तव, सुभा रस्तोगी, मदन मोहन पाण्डेय, कीर्ति सक्सेना, विकास कुशवाहा और पुवदा कल्पना मूर्ति।	
	सहायक सदस्य	जाहिद अली और अरिमर्दन सिंह कुशवाहा।	
3.	**iVsUV ,fIydsa'ku ua-**	**1580Mhbl,y2011**	आवेदित तिथि 03.06.2011
	शीर्षक	क्षय रोग के उपचार हेतु सब्स्टीट्यूटेड 4–ऐरिथयज़ोल–2 हाइड्रोज़न निष्कर्षण।	
	अन्वेषक	सुप्रिया सिंह, कुलदीपक कुमार रॉय, संदीप कुमार शर्मा, रंजना श्रीवास्तव, विनीता चतुर्वेदी तथा अनिल कुमार सक्सेना।	
	सहायक सदस्य	ज़ाहिद अली तथा अरिर्मदन सिंह कुशवाहा।	
4	**iVsUV ,fIydsa'ku ua-**	**2174Mhbl,y2010**	आवेदित तिथि 29.04.2011
	शीर्षक	(इ)–5–(4–क्लोरोफिनाइल)–1, 1–बिस(मिथ़ाइलथायो)पेन्टा–1,4–डायइन–3–ओन ऐण्ड इट्स एनालोग्ज़	
	अन्वेषक	शिवाजी नारायनराव सूर्यवंशी, सुमन गुप्ता, नीना गोयल, संतोष कुमार, मोनिका मित्तल और प्रीति विश्वकर्मा।	
	सहायक सदस्य	मंजू	

5	**iVUV ,flyd'ku u-**	2175डीईएल2010	आवेदित तिथि	29.04.2011
	शीर्षक	(ई)–5–(2–नाइट्रोफिनाइल)–1–फिनाइल–3–[2–(2,6,6,–ट्रायमिथाइलसायक्लोहेक्स–2–इनाइल)विनाइल]–4,5–डिहाइड्रो–1एच–पायराजोल एण्ड एनालॉग्ज़		
	अन्वेषक	शिवाजी नारायण सूर्यवंशी, सुमन गुप्ता, नीना गोयल, अविनाश तिवारी, मोनिका मित्तल और प्रीति विश्वकर्मा		
	सहायक सदस्य	मंजू		
6	**iVUV ,flyd'ku u-**	0671डीईएल2010	आवेदित तिथि	16.03.2011
	शीर्षक	बिवैलिरूडीन की निर्मित हेतु शोधित प्रक्रिया।		
	अन्वेषक	वहाजुल हक		
7	**iVUV ,flyd'ku u-**	1206डीईएल2011	आवेदित तिथि	25.04.2011
	शीर्षक	डैलबार्जिया सिसों से निष्कर्षित सत् और कम्पाउण्ड्स का उपयोग अस्थि स्वास्थ्य संबंधी विकृतियों के उपचार और रोकथाम के लिये किया गया।		
	अन्वेषक	राकेश मौर्या, प्रीति दीक्षित, रितु त्रिवेदी, विक्रम खेडग्किर, ज्योति गौतम, अविनाश, दिव्या सिंह, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, वहाजुद्दीन, गिरीश कुमार जैन और नैवेद्य चट्टोपाध्याय।		
	सहायक सदस्य	सतीश चन्द्र तिवारी, बेंडांगला चकीज़ा और प्रियंका कुशवाहा।		
8	**iVUV ,flyd'ku u-**	**0732Mhb,y2011**	आवेदित तिथि	16.03.2011
	शीर्षक	नोबेल डोलोस्टेटिन मिमिक्स एज़ ऐण्टीकैंसर एजेन्ट्स।		
	अन्वेषक	तुषार कान्ति चक्रवर्ती, गजुला प्रवीण कुमार, दुलाला पाण्डा, जयन्त अस्थाना।		

स्थापित की गयी नई सुविधायें

आटोमेटेड सिस्टम फॉर क्रिस्टलाइजेशन एण्ड विज्युलाइज़ेशन ऑफ प्रोटीन क्रिस्टल

सम्मान एवं पुरस्कार

डॉ. राजेन्द्र सिंह

- इण्डियन नैशनल एकैडमी के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2011 हेतु चयनित

डॉ. सी. नाथ

- डॉक्टर डी.एन. प्रसाद स्मृति व्याख्यान पुरस्कार–2007 आईसीएमआर द्वारा प्रदत्त

डॉ. संजय बत्रा

- इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस, बैंगलोर के रसायन विज्ञान विभाग के चतुर्थ प्रो. डी. के. बैनर्जी मेमोरियल लेक्चर अवार्ड हेतु चयनित

डॉ. गौतम पांडा

- रिसर्च इन केमिस्ट्री में उनके योगदान हेतु सीआरएसआई मेडल हेतु चयनित

डॉ. वीरेन्द्र सिंह (डॉ. संजय बत्रा के छात्र)

- डॉ. नितिन टी पाटिल के साथ सीएसआईआर की नेहरू फेलोशिप हेतु चयनित
- कोठारी फेलोशिप हेतु यूजीसी से चयनित

श्री अमित कुमार गुप्ता (डॉ. ए. के. सक्सेना के छात्र)

- तृतीय नोवार्टिस बायोटेक्नॉलोजी लीडरशिप कैम्प (बायोकैम्प) हैदराबाद, 1–3 अगस्त हेतु चयनित
- नोवार्टिस बायोकैम्प 2011 की विजेता टीम के सदस्य।

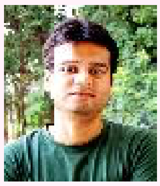

श्री शीलेन्द्र प्रताप सिंह (डॉ. जी.के. जैन के छात्र)

- तृतीय नोवार्टिस बायोटेक्नॉलोजी लीडरशिप कैम्प (बायोकैम्प) हैदराबाद 1–3 अगस्त हेतु चयनित

आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

जीई हेल्थकेयर लाइफसाइन्सेज द्वारा ''प्योरिफिकेशन मीडिया'' पर एक सेमिनार

सीडीआरआई में 4 अप्रैल, 2011 को जीई हेल्थकेयर लाइफसाइन्सेज द्वारा ''प्योरिफिकेशन मीडिया'' पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। उपर्युक्त संगठनों के विशेषज्ञों ने निम्नलिखित शीर्षकों पर व्याख्यान दिये : डिटरजेन्ट स्क्रीनिंग फॉर आप्टिमाइज्ड प्योरिफिकेशन कन्डीशन्स फॉर हिस्टिडाइन टैग्ड मेम्ब्रेन प्रोटीन एण्ड मल्टीमोडल क्रोमैटोग्राफी – द ''आल इन वन'' रेज़िन, प्योरिफिकेशन ऑफ जीएसटी–टैग्ड प्रोटिन्स यूजिंग प्रीपैक्ड कॉलम्स, प्रोटीन फॉसफोराइलेशन एण्ड सैम्पल प्रेपरेशन एण्ड सिम्पल प्रोटीन प्योरिफिकेशन ऐन्ड एनरिचमेन्ट विद मैग्नेटिक बीड्स सीएसआईआर–सीडीआरआई और लखनऊ के अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों और शोध छात्रों ने विचार–विमर्श में भाग लिया।

'रिसर्च ऐप्लिकेशन्स ऑफ फ्लो साइटोमीट्री' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम

16 मई से 20 मई, 2011 की अवधि में सीडीआरआई और बीडी बायोसाइंसेज (इण्डिया) द्वारा रिसर्च एप्लिकेशन ऑफ फ्लो साइटोमीट्री पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विचार–विमर्श सत्र प्रस्तुति और वेट डिमॉस्ट्रेशन द्वारा फ्लो साइटोमीट्री के विभिन्न अनुसंधान प्रयोगों जैसे मल्टी कलर इम्यूनो–फेनोटाइपिंग सेल साइकिल और एपॉपटासिस, सेल सिंग्नलिंग साइटोकाइन एनालिसिस और सेल सॉर्टिंग प्रस्तुत किये गये।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये सीडीआरआई के 55 जेआरएफ, एसआरएफ तथा प्रोजेक्ट असिस्टेन्ट ने आवेदन किया जिसमें वेट लैब हेतु 14 छात्रों का चयन किया गया। कार्यक्रम संयोजक सीडीआरआई की डॉ. मधु दीक्षित तथा बीडी बायोसाइन्सेज़ के डॉ. परेश जैन द्वारा वैज्ञानिक सहयोग प्रदान किया गया। डॉ. परेश जैन, डॉ. अमिताभ मोहन्ती, श्री टी. नागार्जुन, डॉ. मधु दीक्षित और डॉ. अमित मिश्रा द्वारा प्रस्तुतियां/व्याख्यान दिये गये। श्री अनुपम ज्योति और श्री रवि शंकर केशरी द्वारा एपाप्टॉसिस पर वेट लैब प्रयोग किये गये।

सीएसआईआर–सीडीआरआई में नया कार्यभार ग्रहण करने वाले स्टाफ हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम

संस्थान में नए कार्यभार ग्रहण करने वाले वैज्ञानिक, तकनीकी और अन्य स्टाफ में संस्थान के क्रियाकलापों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए हमारे संस्थान के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन प्रभाग द्वारा 7 से 29 जून, 2011 के बीच एक औरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पिछले एक वर्ष के दौरान संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने वाले 19 वैज्ञानिकों तथा 12 टेक्निकल स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया और प्रत्येक प्रभाग के प्रभारी वैज्ञानिक तथा अन्य वैज्ञानिकों से बातचीत करने के साथ–साथ और वहाँ उपलब्ध सुविधाओं और क्रियाकलापों के विषय में जानकारी प्राप्त की। भाग लेने वाले सदस्यों ने सभी प्रयोगशालाओं को जाकर देखा, और प्रत्येक वैज्ञानिक से बातचीत की। कार्यक्रम का द्वितीय चरण जिसमें आईपीआर प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन, प्रशासनिक प्रक्रियाएं, वित्त एवं लेखा, प्रत्येक परियोजना क्षेत्र के उद्देश्य एवं क्रियाकलाप आदि विभिन्न विषयों पर व्याख्यान शामिल हैं, अक्टूबर 2011 में आयोजित किया जायेगा।

सीएसआईआर और टीआईएसटीआर के मध्य वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर तीन दिवसीय कार्यशाला

28–30 जून, 2011 को ''हर्बल औषधियाँ/औषधीय पौधे: फेफड़े और मस्तिष्क की बीमारियों, मधुमेह और हेपाटाईटिस'' पर टीआईएसटीआर प्रतिनिधिमंडल तथा सीएसआईआर–सीडीआरआई के मध्य एक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सीएसआईआर–सीडीआरआई, लखनऊ में किया गया। प्रतिनिधि मंडल को संस्थान के क्रियाकलापों से अवगत कराया गया और टीआईएसटीआर, थाईलैण्ड के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। दोनों संस्थानों की ओर से भविष्य में सहयोगात्मक कदम उठाए जाने पर सहमति व्यक्त की गयी। प्रयोगशाला भ्रमण के पश्चात् सीएसआईआर– सीडीआरआई, सीएसआईआर–आईआई टीआर, सीएसआईआर–सीआईएमएपी के उपर्युक्त क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। समापन सत्र में सीडीआरआई के निदेशक ने प्रमाणपत्र तथा स्मृति चिह्न प्रतिनिधियों को प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा यह उल्लेख किया गया कि वह इस कार्यशाला का विवरण टीआईएसटीआर की गवर्नर को देंगे जो इस वर्ष के अंत तक निदेशक तथा अन्य वैज्ञानिकों को टीआईएसटीआर का दौरा करने के लिये आमंत्रित कर सकती हैं जिससे वे टीआईएसटीआर के वैज्ञानिकों को मधुमेह, विषविज्ञान के अनुसंधान ग्रुप बनाने के लिये सक्षम बना सकें और द्विपक्षीय सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों का प्रांरभ किया जा सके।

औषधि अनुसंधान में बायोलेयर इन्टरफेरोमीट्री प्रौद्योगिकी और माइक्रोऐरे के नवीन प्रयोग का उपयोग करके बायोमॉलीक्युलर इन्टरैक्शन अध्ययन पर सेमिनार

लाइफ डिस्कवरीज़, गुडगांव, हरियाणा द्वारा औषधि खोज में बायोलेयर इण्टरफेरोमीट्री प्रौद्योगिकी और माइक्रोऐरे के नवीन प्रयोग का उपयोग करके बायोमॉलीक्युलर इन्टरैक्शन स्टडीज़ पर बुधवार 27 जुलाई, 2011 को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। लाईफ डिस्कवरीज़, मनेसर, के डॉ. विपुल भार्गव ने औषधि खोज में बायोलेयर इन्टरफेरोमीट्री टेक्नोलॉजी और माइक्रोऐरे के उपयोग पर अपने विचार व्यक्त कियेऔर ऐप्लिकेशन वैज्ञानिक श्रीअश्विनी कमल ने उपर्युक्त तकनीकी पर विस्तृत जानकारी और विवरण दिया। इस प्रभाव क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों और शोध छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा विशेषज्ञों से बातचीत की।

थॉमस इनोवेशन द्वारा प्रत्यक्ष प्रदर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

थॉमस इनोवेशन एक एकल, एकीकृत समाधान है जो बौद्धिक सम्पदा, वैज्ञानिक साहित्य, व्यावसायिक आँकड़े और विश्लेषित समाचार, सहयोगात्मक और सतर्क करने वाले साधनों के समाचार एक मजबूत प्लेटफार्म पर सम्मिलित कर देता हे। थॉमस इनोवेशन द्वारा 12 अगस्त, 2011 को एक सीएसआईआर–सीडीआरआई में प्रत्यक्ष प्रदर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि किस प्रकार वे हमारी स्वयं की शर्तों पर बौद्धिक सम्पदा अनुसंधान की सामर्थ्य प्रदान करते हैं। एक ऐसी क्षमता जो बेहतर प्रसांगिक आईपी निर्णयों के लिये हमारे अपने आंकड़ों को ग्लोबल पेटेण्ट आंकड़ों के साथ समाविष्ट करेगी।

सद्भावना दिवस समारोह

स्वर्गीय प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की स्मृति में संस्थान में 19 अगस्त, 2011 को उनकी जन्मतिथि से एक दिन पूर्व ''सदभावना दिवस'' मनाया गया। सद्भावना की मूल विषयवस्तु सभी धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों में राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सामंजस्य को बढ़ाना है। सद्भावना दिवस को मनाने का कारण हिंसा से दूर रहना और लोगों में सद्भावना को प्रोत्साहन देना है। सीएसआईआर–सीडीआरआई के सभी कर्मचारियों ने इस अवसर पर उपस्थित होकर सद्भावना की शपथ ली कि वे बगैर किसी जाति, क्षेत्र, धर्म या भाषा के भेदभाव के भारत के सभी लोगों की भावनात्मक एकता और मेल–जोल के लिये काम करेंगे।

प्रोटीन्स ने उनके जीवन को आकार दियाः एक संगोष्ठी विनोदजी की स्मृति में

डॉ. विनोद भाकुनी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये सीएसआईआर–सीडीआरआई द्वारा 24 अगस्त, 2011 को एक दिवसीय संगोष्ठी "प्रोटीन्स ने उनके जीवन को आकार दियाः विनोदजी की स्मृति में" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के भूतपूर्व निदेशक और डॉ. विनोद भाकुनी के परिवार के सदस्य उपस्थित थे। संस्थान के वैज्ञानिकों एवं छात्रों ने उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। संगोष्ठी का प्रारंभ डॉ. विनोद भाकुनी के चित्रों के प्रदर्शन और उनके वैज्ञानिक योगदान के वर्णन से हुआ। सीएसआईआर–सीडीआरआई के भूतपूर्व निदेशक डॉ. सी.एम. गुप्ता ने डॉ. भाकुनी के साथ बिताये अपने 27 वर्षों के समय को याद किया। वैज्ञानिक सत्र में पूरे देश से आये प्रतिष्ठित वक्ताओं ने व्याख्यान प्रस्तुत किये। विवरण इस प्रकार है–

	Ukke	O;k[;ku dk 'kh"kZd
	प्रोफे. डी. बालासुब्रामनियन एलवी प्रसाद, नेत्र संस्थान, हैदराबाद	द ग्रीक की मोटिफ इन क्रिस्टैलिन्स ऐन्ड आइ लेन्स ट्रांसपेरेन्सी
	प्रोफे. के. मुनियप्पा आईआईएससी, बंगलौर	रिकॉम्बीनेशनल डीएनए रिपेयर इन माइकोबैक्टीरियाः प्रोटीन स्ट्रक्चर्स मेकैनिज़्म्स ऐण्ड सर्च फॉर इनहिबिटर्स
	डॉ. शेखर माण्डे सीडीएफडी, हैदराबाद	एलोस्टरिक चेन्जेज़ इन दि सीएएमपी रिसेप्टर प्रोटीन एन्ड द यूनीवर्सैलिटी ऑफ सीएएमपी मीडिऐटेड सिग्नलिंग।
	प्रोफे. राजीव भट्ट जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	इफेक्ट्स ऑफ स्ट्रेस ओस्मोलाइट्स ऑन द स्टैबिलिटी, फोल्डिंग एण्ड ऐग्रीगेशन ऑफ प्रोटीन्स।
	प्रोफे. पी गुप्ता शर्मा आईआईएसईआर, मोहाली	ए नॉवेल "स्ट्रक्चर सेन्सिटिव" फ्लोरेसेन्स फ्रॉम पॉलीपेप्टाइड बैकबोन्स एसोसिएटेड विद इलेक्ट्रॉन ट्रांसपोर्ट।
	डॉ. के. प्रकाश शिकागो विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए	प्रूफरीडिंग एण्ड डिस्कार्ड मेकैनिज़्म्स इन प्री–एमआरएनए स्प्लाइसिंग।

2डी डीआईजीई प्रौद्योगिकी पर व्यवहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

संस्थान में 6–9 सितम्बर 2011 को 2डी डीआईजीई प्रौद्योगिकी पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राठ्यक्रम का आयोजन किया गया। जीई हेल्थ टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञों ने कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता दी। इसमें 2डी हेतु प्रोटीन के नमूने तैयार करना, प्रोटीन सैम्पल्स की लेबलिंग, आई ई एफ और 2 आयाम जेल इलेक्ट्रोफ़ोरोसिस, जेल की स्कैनिंग, इमेज प्लैटिनम सॉटवेयर और डिज़ाइनर के अनुभवों का प्रयोग करके इमेज का विश्लेषण सम्मिलित है। विभिन्न प्रभागों के दस शोध छात्र जो अपने पी.एच.डी. परियोजनाओं में प्रोटियॉनिक्सअप्रोच का प्रयोग कर रहे है, इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए और व्यवहारिक प्राशिक्षण प्राप्त किया।

राजभाषा अनुभाग

हिन्दी कार्यशाला

केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में दो दिवसीय सामूहिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27–28 जून, 2011 को संस्थान के लघु प्रेक्षागृह में किया गया जिसमें नराकास, लखनऊ के समस्त सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ–साथ संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रो. एस. पी. दीक्षित, पूर्व प्रभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा संस्थान के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. वी. एन. तिवारी जी ने 'यूनीकोड फांट की सहायता से कंप्यूटरों पर हिन्दी में कार्य करने की संभावनाएं' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. विजय कर्ण, रीडर, विद्यान्त कालेज, लखनऊ, एवं डॉ. एस. के. तिवारी, वैज्ञानिक ने इस अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में अपना–अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। दिनांक 28 जून, 2011 को चतुर्थ सत्र के बाद डॉ. वी. एन. तिवारी, सचिव, नराकास के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यशाला का समापन किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लखनऊ की छमाही बैठक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लखनऊ की छमाही बैठक दिनांक 26 अगस्त, 2011 को अपराह्न 4.00 बजे केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के मुख्य प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के निदेशक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लखनऊ डॉ. टी. के. चक्रबर्ती ने की। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी एवं सचिव, नराकास, लखनऊ डॉ. विजय नारायण तिवारी ने अध्यक्ष महोदय तथा उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों/ कार्यालय प्रमुखों, हिन्दी अधिकारियों एवं अन्य कार्यालय प्रतिनिधियों

का हार्दिक स्वागत करते हुए 67 कार्यालयों की समीक्षा करते हुए कार्यसूची के अनुसार अध्यक्ष महोदय की अनुमति से समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर तीन कार्यालयों को विशिष्ट पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र एवं दस अन्य कार्यालयों को भी पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। राजभाषा पत्रिका प्रकाशन के लिए तीन कार्यालयों को पुरस्कृत किया गया तथा 35 कार्यालयों को समाप्त छमाही के दौरान कार्यशाला हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर भारत सरकार गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा पधारे उपनिदेशक कार्यान्वयन उत्तर क्षेत्र श्री विनोद कुमार शर्मा जी ने अपना व्याख्यान दिया। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए नराकास के विभिन्न सदस्य कार्यालयों से पधारे कार्यालय प्रमुखों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

घोषणा

औषधि खोज एवं विकास की चुनौतियों पर सम्मेलन (CDDD-2011)
सीएसआईआर–सीडीआरआई, लखनऊ 9–10 दिसम्बर 2011

वर्ष 2011 को रसायन विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष का स्मरणोत्सव मनाने के लिये इण्डियन सोसायटी ऑफ केमिस्ट्स एण्ड बायोलॉजिस्ट ने अपना तीसरा सम्मेलन **''औषधि खोज एवं विकास में चुनौतियां''** पर 9–10 दिसम्बर 2011 को सी.एस.आई.आर.–सी.डी.आर.आई. लखनऊ में आयोजित किये जाने की घोषणा की है। यह सम्मेलन गतिशील तथा तेज़ी से बदलते हुये औषधि अनुसंधान के क्षेत्र में चुनौतियों का विस्तारपूर्वक मूल्यांकन करने के लिये एक मंच प्रदान करेगा। इसके द्वारा सर्वोत्तम रसायनविद्ों, जिनमें चिकित्सा, रसायनशास्त्री, औषधिशास्त्री, जैव प्रौद्योगिकीविद्ों और अन्य संबन्धित व्यवसायिक विशेषज्ञों को औषधि खोज एवं रोगोपचार में नवीनतम् महत्वपूर्ण विकास पर विचार विमर्श करने और उनको प्रस्तुत करने के लिये साथ आने के अवसर मिलेंगें। बड़ी संख्या में औषधि निर्माण और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग के व्यवसायिक विशेषज्ञ इस कार्यक्रम में हिस्सा लेगें, अपने विचारों को एक दूसरे से बाँटेगें और नेटवर्क तैयार करेगें।

विषयवस्तु /शीर्षक :

- औषधि अनुसंधान तथा आई पी आर में रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान की भूमिका और भविष्य;
- औषधि अभिकल्पना, खोज और विकास में हाल की नवीनतम् जानकारियां;
- औषधीय रसायन शास्त्र/ प्राकृतिक उत्पाद रसायन शास्त्र;
- औषधि निर्माण, औषधि प्रभावगति और चयापचयन तथा क्लीनिकल परीक्षण;
- प्रक्रिया रसायन विज्ञान, ग्रीन केमिस्ट्री;
- बायो और केमो–इन्फॉरमैटिक्स और अन्य संबन्धित शीर्षक;
- जेनेरिक ड्रग्स हेतु ग्लोबल फ़ार्मा सेक्टर और भारत की भूमिका, औषधि अनुसंधान और नवीन ड्रग डिलीवरी पद्धतियाँ;
- नैनो टेक्नॉलोजी, मैटीरियल साइंस, बायोटेक्नॉलोजी: भविष्य निरूपण।

भविष्य में विस्तृत जानकारी हेतु डॉ. पी.एम.एस. चौहान, महासचिव, आईएससीबी, वरिष्ठ प्रधान, वैज्ञानिक–सीएसआईआर–सीडीआरआई और संयोजक सीडीडीडी–2011 के मोबाइल नं. 9415106859 ई मेल: secretary@iscbindia.com और pms_chauhan@cdri.res.in पर संपर्क कर सकते है। और अधिक जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट http://iscbindia.com देखें।

विशिष्ट आगुन्तक और उनके द्वारा दिये गये व्याख्यान

	नाम, पता	शीर्षक	दिनांक
❖	**डॉ. मार्टिन डिफेज़,** सीएनआरएस, फ्रांस	बायोलॉजिकल साइन्स कोआपरेटिव प्रोग्राम बिटवीन सीएनआरएस एण्ड इण्डिया एण्ड यूरोप	08.04.2011
❖	**डॉ. पारूल त्रिपाठी,** आईसीजीईबी, नई दिल्ली	ऐथेरॉस्क्लेरॉसिसः द इम्यूनोलॉजिकल ऑरकेस्ट्रा	25.04.2011
❖	**डॉ. अमित के पाण्डे,** यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स मेडिकल स्कूल	मायकोबैक्टीरियम ट्युबरकुलॉसिस ऑन स्टेरॉयड्स	19.05.2011
❖	**डॉ. रवि नटराजन,** केमेक्स–ट्री, मुंबई	डिस्कवरी ऑफ ए न्यू क्लास ऑफ पोटेण्ट, सेलेक्टिव एण्ड ओरली एफिकेशियस पी38 एमएपी काइनेज़ इनहिबिटर्स फॉर द ट्रीटमेन्ट ऑफ रेयूमैटाइड अर्थराइटिस	23.05.2011
❖	**डॉ. कुमार वेलु जगवेलु,** मेयो क्लीनिक, रोचेस्टर	प्रोटेक्टिव रोल ऑफ एमके2 इन ऐथेरॉस्क्लेरोसिस	09.06.2011
❖	**डॉ. डेनिस मार्टिन,** डीएनडीआई, जिनेवा	डीएनडीआई स्ट्रेटजीज़ टु आइडेन्टीफाई एण्ड डेवलप न्यू केमिकल एन्टिटीज़ टु ट्रीट विसरल लीशमैनियासिस	07.06.2011
❖	**डॉ. सुशान्त कार,** सीएसआईआर–आईआईसीबी, कोलकाता	फ्रॉम सेल्स टु सिंगनलिंग कैस्केड्सः मैनिपुलेशन ऑफ मैक्रोफेज़ डिफेन्स बाई लीशमैनिया पैरासाइट्स	14.06.2011
❖	**डॉ. श्रीधर गुप्ता,** हैरिटेज इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता	ए न्यू विस्टा टुवर्डस पैरासिटिक प्रोटोज़ोअन्सः लीशमैनिया एण्ड ट्रिप्नोज़ोमा	16.06.2011
❖	**प्रोफे. तेजेन्दर एस. ठाकुर,** इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर,	कम्पयूटेशनल एण्ड एक्सपेरीमेन्टल स्टडीज ऑन वीक नॉन–बॉन्डेड इन्टरैक्शन्स	27.07.2011
❖	**डॉ. कैम्पाइया रायवैरा** लेबोरेटरी ऑफ मलेरिया ऐण्ड वेक्टर रिसर्च, एनआईएआईडी, एनआईएच, यूएसए	फंक्शनल मेकैनोसेन्सिटिव आयन चैनल इन प्लाज़मोडियम फैल्सीपेरम	01.07.2011
❖	**डॉ. भामुव्रत चौधरी,** यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो	टुवर्ड्स द टोटल सिंथिसिज़ ऑफ पोटेन्ट ऐन्टीफंगल एजेन्ट गैम्बीरिक एसिड एः स्टीरियोसेलेक्टिव प्रिपेरेशन ऑफ ए–डी रिंग फ्रेगमेन्ट	09.08.2011
❖	**डॉ. श्रीनिवास पेन्टयाला,** स्टोनी ब्रुक मेडिकल सेन्टर, न्यूयार्क	ट्रान्सलेशनल ऐप्रोच टु ड्रग डिस्कवरी	09.08.2011
❖	**प्रोफे. राज कुमार** द कॉमनवेल्थ मेडिकल कालेज स्क्रैन्टन, यूएसए	स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन ऑफ द स्टेराइड हॉरमोन रिसेप्टर्स	18.08.2011
❖	**डॉ. यूसुफ़ अख्तर** यूरोपियन मॉलीक्युलर बायोलॉजी लेबोरेटरी, हैम्बर्ग, जर्मनी	मॉलीक्युलर एण्ड स्ट्रक्चरल स्टडीज़ ऑन टारगेट्स फ्रॉम माइकोबैक्टीरियम ट्युबरकुलोसिस	25.08.2011
❖	**डॉ. सेन्थिल दुराइसामी,** जी7 सिनरगॉन प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर	जी–प्रोटीन कपल्ड रिसेप्टर (जीपीसीआरएस) एण्ड ड्रग डिस्कवरीः ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव	29.08.2011

विदेश यात्रा/ प्रतिनियुक्ति

क्र. सं.	वैज्ञानिक का नाम	यात्रा का स्थान	यात्रा का उद्देश्य	प्रतिनियुक्ति की अवधि
1	**डॉ. टी.के. चक्रवर्ती**	रूस	"डीएसटी–आईएलटीपी द्विपक्षीय विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्बोहाइड्रेटस तथा संबंधित क्षेत्र" पर इण्डो–रशियन बैठक में भाग लेने के लिये	13–16 जून, 2011
2	**डॉ. ए.के. सक्सेना**	स्लोवेनिया और जर्मनी	विष विज्ञान और औषधि प्रभाव विज्ञान एकीकृत इण्टरनेट रिसोर्सेज़ 2011 में कम्प्यूटेशनल विधियों पर छठी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	08 से 16 सितम्बर, 2011
	डॉ. मधु दीक्षित	स्पेन	परियोजना से संबंधित योजना/प्रयोग पर विचार–विमर्श के लिए प्रो. सैनटियागो लामाज़ की प्रयोगशाला की यात्रा।	31 अगस्त से 14 सितम्बर, 2011
	डॉ. राकेश शुक्ला	स्कॉटलैण्ड	आईएनएसए–आरएसई अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत क्वीन्स मेडिकल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, एडिनबर्ग की यात्रा	24 अगस्त से 23 सितम्बर, 2011
5	**डॉ. सुधीर कुमार सिन्हा**	स्विटज़रलैण्ड	ईपीएफएल, लॉसेन, स्विटज़रलैण्ड में संक्रामक बीमारियों पर इण्डो–स्विस संगोष्ठी में भाग लेने हेतु	2–3 मई, 2011
			प्रोफे. स्टीवर्ट कोले से संयुक्त इण्डो–स्विस परियोजना के विकास पर विचार–विमर्श हेतु	4–6 मई, 2011
6	**डॉ. डी. एस. उपाध्याय**	नीदरलैण्ड	प्रयोगशाला जन्तु विज्ञान में अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु	4–15 जुलाई, 2011
7	**डॉ. अतुल गोयल**	जर्मनी	ऐलेक्ज़ेन्डर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप के अन्तर्गत शेष अनुसंधान कार्य पूरा करने के लिये	2 मई से 30 जुलाई, 2011
8	**डॉ. जे. वेन्कटेश प्रताप**	फ्रांस	यूरोपियन सिन्क्रोट्रॉन रेडिएशन फैसिलिटी (ईएसआरएफ) पर अनुसंधान हेतु	9–12 जुलाई, 2011
9	**डॉ. रितु त्रिवेदी**	आस्ट्रेलिया	द्वितीय एशिया पैसिफिक ओस्टिओपोरोसिस एण्ड बोन मीटिंग में उपस्थित होने के लिये।	4 से 8 सितम्बर, 2011
10	**डॉ. आमिर नाज़िर**	आस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलेशिया की जेनेटिक सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में व्याख्यान हेतु	10–13 जुलाई, 2011

श्रद्धांजलि

भारतीय वैज्ञानिक समुदाय ने 15 जुलाई, 2011 को एक कुशल सहयोगी खो दिया। डॉ. विनोद भाकुनी का लखनऊ में अचानक हृदय गति रूक जाने से निधन हो गया।

डॉ. भाकुनी सीएसआईआर–सीडीआरआई में आण्विक एवं संरचनात्मक जीवविज्ञान प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष रहे जहाँ उन्होंने 1984 से कार्य किया। उन्होंने सीएसआईआर–सीडीआरआई से पीएच.डी. करने के पश्चात् जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, यूएसए में दो वर्ष पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्य किया और तत्पश्चात् संस्थान में वापस लौटकर कार्य किया।

देश के अग्रणी प्रोटीन रसायनविदों में से एक डॉ. भाकुनी ने इक्विलिब्रियम प्रोटीन फोल्डिंग, स्थिरता और क्रिया के पक्षों की खोज को आगे बढ़ाया। उनके प्रारंभिक कार्यों में साइटोक्रोम सी, कैटालेज़ और अन्य प्रोटीन पर हाइड्रोफोबिक रंजकों और विभिन्न ऐल्केलॉयड की बन्धन क्रियाविधि की व्याख्या और उनके प्रतिरूप (रचना) और मार्ग की तहों (folding) का अर्थ निकालना सम्मिलित है। ग्लुकोज ऑक्सिडेज़ पर उनके प्रयोगशाला कार्य ने इस बायोसेन्सर के कार्य और स्थिरता में आयनिक अन्योन्य क्रिया के महत्व को प्रकट किया। माइकोबैक्टीरियल ट्युबरकुलासिस का सिरीन हाइड्रॉक्ज़िल मिथाइल ट्रांसफेरज़ (SHMT) में कोफैक्टर की अद्वितीय stoichiometry सर्वप्रथम उनके ग्रुप द्वारा प्रदर्शित की गयी। आगे उन्होंने folding patterns और क्रियाविधि का अर्थ निकालने के लिये विभिन्न स्रोतों से SHMT की विशेषताएं बताईं। हाल के वर्षों में उनकी रूचि को–फैक्टर बाइन्डिंग, स्थिरता और कार्य में प्रोटीन कार्यक्षेत्र की भूमिका की व्याख्या के क्षेत्र में रही। पिछले दो या तीन वर्षों से वे ऐमायलोइडोजेनेसिस के विभिन्न पक्षों पर कार्य कर रहे थे और उसकी रचना और उपचार की प्रक्रिया को समझने का प्रयास कर रहे थे।

डॉ. भाकुनी के अनुसंधान योगदान को बहुत से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिनमें वर्ष 2006 में भटनागर पुरस्कार और तीन भारतीय विज्ञान एकेडमी की फेलोशिप सम्मिलित है।

उनके परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती नीलम, पुत्र अभ्युदय और पुत्री हर्षिता हैं और उनकी वैज्ञानिक विरासत को उन छात्रों द्वारा बढ़ाया जाएगा जिनके वे परामर्शदाता रहें।

सीएसआईआर–सीडीआरआई,
लखनऊ के स्टाफ सदस्य।

स्टाफ समाचार

विभागों के नये प्रभागाध्यक्ष

- श्री विनय त्रिपाठी,
  विज्ञान एवं प्रौद्योगिक प्रबंधन प्रभाग
- डॉ. के.के. श्रीवास्तव
  सूक्ष्म जीव विज्ञान (माइक्रबायोलॉजी) प्रभाग
- डॉ. समन हबीब
  आण्विक एंव संरचनात्मक बायोलॉजी प्रभाग
- डॉ. डब्ल्यू हक
  लेबोरेटरी इंजीनियरिंग सर्विसेज

नई नियुक्तियां

- डॉ. दीपक दत्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक
  औषधि खोज, आविष्कार एवं लक्ष्य प्रभाग
- डॉ. दिब्येन्दु बैनर्जी , वैज्ञानिक
  आण्विक एंव संरचनात्मक बायोलॉजी प्रभाग
- श्री अजय कुमार , तकनीकी सहायक
  लेबोरेटरी इंजीनियरिंग सर्विसेज
- कु. शिखा मिश्रा, तकनीकी सहायक
  जन्तु प्रयोगशाला प्रभाग
- श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव , तकनीकी सहायक
  व्यापार विकास प्रभाग
- कु. फराह खान , तकनीकी सहायक
  कम्प्यूटर प्रभाग
- कु. कोनिका गुप्ता, तकनीकी सहायक
  अन्तःस्रावी विज्ञान (इण्डोक्राइनोलॉजी) प्रभाग
- श्री अनिल कुमार मीना, तकनीकी सहायक
  विष विज्ञान (टॉक्सीकोलॉजी) प्रभाग
- प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, प्रयोगषाला सहायक (1)
  विज्ञान एवं प्रौद्योगिक प्रबंधन प्रभाग
- श्री शुभेन्द्र कुमार, प्रयोगशाला सहायक (1)
  सीएसआईआर डिस्पेन्सरी

पदोन्नति

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक से मुख्य वैज्ञानिक

- डॉ. एस.एन. सूर्यवंशी
- डॉ. ए.के. द्विवेदी
- डॉ. कमलाकर अवस्थी
- डॉ. मधु दीक्षित
- डॉ. जे.एस. श्रीवास्तव
- डॉ. अनुराधा दुबे

प्रधान वैज्ञानिक से वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

- डॉ. एन.एन. मेहरोत्रा
- डॉ. अनिला द्विवेदी
- डॉ. वी.एल. शर्मा
- डॉ. रेनु त्रिपाठी
- डॉ. पी.के. शुक्ला
- श्री एन.एस. राणा

वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक

- डॉ. अंजू पुरी
- डॉ. कुमकुम श्रीवास्तव
- डॉ. अतुल गोयल
- श्री प्रेम प्रकाश
- डॉ. एफ.डब्ल्यू बन्सोडे
- डॉ. गौतम पाण्डा
- डॉ. जे.के. घोष

वैज्ञानिक से वरिष्ठ वैज्ञानिक

- डॉ. के.वी. शशिधरा

कनिष्ठ वैज्ञानिक से वैज्ञानिक

- कासिफ हनीफ़
- रणवीर सिंह
- नसीम अहमद सिद्दीकी
- वहाजुद्दीन
- श्रीपति राव कुलकर्णी

प्रशासनिक अधिकारी से प्रशासन नियंत्रक

- श्री एल.आर. आर्या

वरिष्ठ आशुलिपिक (एमएसीपी) से निजी सचिव

- श्रीमती के.पी. बलानी
- श्रीमती सुनीता चौपड़ा

आंतरिक (संस्थागत) स्थानांतरण

- श्री एच.के. खुल्वे, निजी सचिव
  स्थानांतरण, एफ.टी और एम.एस.बी. प्रभाग से पैरासीटालॉजी प्रभाग में
- श्री अजय कुमार, कनिष्ठ आशुलिपिक
  स्थानांतरण, सीएसआईआर औषधालय से सतर्कता अनुभाग में

बाह्य स्थानांतरण

- श्री के.पी. शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी
  स्थानांतरण, सीएसआईआर–एनआईएसटीएडीएस से सीएसआईआर–सीडीआरआई
- श्री टी. शशिकुमार, निजी सचिव
  स्थानांतरण, सीएसआईआर–सीडीआरआई से सीएसआईआर–सीमैप
- श्रीमती पदमिनी पी.एस., वरिष्ठ आशुलिपिक
  स्थानांतरण, सीएसआईआर–सीडीआरआई से सीएसआईआर–एनआईआईएसटी
- श्री जावेद सैय्यद खान, सहायक ग्रेड– I
  स्थानांतरण, सीएसआईआर मुख्यालय से सीएसआईआर–सीडीआरआई

त्यागपत्र

- डॉ. हेमन्त कुमार बिड
  कनिष्ठ वैज्ञानिक, अन्तःस्रावी (इण्डोक्राइनोलॉजी) प्राभाग
- कु. प्रसन्ना कुमारी,
  तकनीकी सहायक, फार्माकोलॉजी प्रभाग

सेवानिवृत्त

- डॉ. रंजना श्रीवास्तव, मुख्य वैज्ञानिक
- डॉ. कल्पना भण्डारी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक
- श्रीमती अन्नपूर्णा वोहरा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (2)
- श्रीमती एन.ए. राजवाडे, तकनीकी सहायक
- श्री आर.एस. दुबे, वरिष्ठ तकनीशियन (2)
- श्री ओ.पी. पाण्डेय, वरिष्ठ तकनीकशियन (2)
- श्रीमती दीपमाला मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकशियन (1)
- श्री जे.सी. पंत, प्रयोगशाला सहायक (2)
- श्री राम जीवन, प्रयोगशाला सहायक (2)
- श्री अशरफी लाल, प्रयोगशाला सहायक (2)

श्रद्धांजलि

श्री रशीद अहमद, 26.06.2011